Ans. (c) : राजपूत पेंटिंग की चार मुख्य शैलियों में एक हाड़ौती शैली है। झालावाड़ शैली, हाड़ौती राजपूत पेंटिंग स्कूल की एक उपशैली है। कोटा, बूंदी आदि अन्य उपशैलियाँ भी हाड़ौती शैली के अंग है। अन्य मुख्य शैलियाँ– मेवाड़ शैली, मारवाड़ शैली और ढुंढाड़ शैली है।

158. बूंदी के राजमहल में प्रसिद्ध 'चित्रशाला' का निर्माण ..... के शासनकाल में हुआ।

(a) राव उम्मेदसिंह (b) राव भावसिंह
(c) राव अनिरुद्धसिंह (d) राव शत्रुशाल

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) परीक्षा-2019
लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) परीक्ष-2018
कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) डिप्लोमा धारक -2020
वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I

Ans. (a) : बूंदी के राजमहल में प्रसिद्ध 'चित्रशाला' का निर्माण राव उम्मेद सिंह के शासनकाल में हुआ। इसलिए इसे उम्मीद महल के नाम से भी जाना जाता है। बूँदी शैली को पशु-पक्षियों की चित्रशैली कहा जाता है। इस शैली के प्रमुख चित्रकार अहमद अली, रामलाल, सुरजन एवं श्रीकृष्ण थे। इस शैली में प्रकृति, पशु-पक्षी, राजकीय दृश्य तथा धार्मिक दृश्यों का चित्रांकन किया गया है। दुगारी किले की चित्रकला बूँदी शैली से संबंधित है।

159. प्रसिद्ध 'चित्रशाला' ..... के गढ़ राजप्रासाद में स्थित है।

(a) बूंदी (b) आमेर
(c) बीकानेर (d) जोधपुर

Junior Instructor Welder Dt. 26.03.2019

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

160. दुगारी किले की चित्रकला सम्बन्धित है-

(a) अलवर शैली से (b) बूंदी शैली से
(c) किशनगढ़ शैली से (d) मेवाड़ शैली से

कनिष्ठ अभियंता (सिविल) (डिग्रीधारक)-18.05.2022
Live Stock Asst. (TSP Area)-16.10.2016

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

161. 'वर्षा में नाचते हुए मोर' राजस्थान की किस चित्रकला शैली की विशेषता है?

(a) जयपुर (b) बूँदी
(c) किशनगढ़ (d) मारवाड़

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (b) – 'वर्षा में नाचते हुए मोर' बूँदी शैली की विशेषता है। मुख्यतः इस शैली में भूदृश्य सम्बन्धी पहाड़ियाँ बहती नदियाँ, रंग-बिरंगे फूलों वाली घनी हरियाली का चित्रण है। चित्रों की पृष्ठभूमि में हिरण, नारियल, खजूर, बत्तख तथा लम्बे वृक्ष एवं हाथी, शेर, मोर आदि होते है। चित्रों के बॉर्डर सुनहरे रंगों से सजे होते हैं। बूँदी शैली, में पशु-पक्षियों का महत्वपूर्ण स्थान है।

162. चित्रकला की किस शैली में पक्षी एवं जानवरों का महत्वपूर्ण स्थान है?

(a) बूंदी शैली (b) नाथद्वारा शैली
(c) किशनगढ़ शैली (d) बीकानेर शैली

फॉयर मैन सीधी भर्ती परीक्षा-2021
कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) भर्ती परीक्षा- 2020
RPSC RAS/RTS -1992

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

163. पशु-पक्षियों को महत्त्व देने वाले स्कूल ऑफ पेन्टिंग का नाम है–

(a) बूँदी शैली (b) किशनगढ़ शैली
(c) नाथद्वारा शैली (d) अलवर शैली

RPSC RAS/RTS 1996

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

164. निम्न सभी शैलियाँ ढूंढाड़ चित्रकला स्कूल के अंतर्गत आती हैं, सिवाय–

(a) आमेर शैली (b) जयपुर शैली
(c) उनियारा शैली (d) बूंदी शैली

Head Cleark Combined Exam-2018

Ans. (d) : बूंदी शैली, हड़ौती चित्रकला स्कूल के अंतर्गत आती है। जयपुर एवं उसके आस-पास का क्षेत्र ढूँढ़ाड़ के नाम से जाना जाता है एवं यहाँ विकसित चित्र शैली को ढूँढ़ाड़ चित्र शैली कहा जाता है। ढूँढ़ाड़ स्कूल में आमेर शैली, जयपुर शैली, अलवर शैली, शेखावटी शैली तथा उनियारा उपशैली मुख्यतः शामिल की जाती है।

165. कोटा के किस शासक के काल को कोटा स्कूल की चित्रशैली का उत्कृष्ट काल माना जा सकता है?

(a) महाराव शत्रुशाल सिंह I
(b) महाराव किशोर सिंह
(c) महाराव उम्मेद सिंह I
(d) महाराव शत्रुसाल सिंह II

कनिष्ठ लिपिक अभियन्ता 18-05-2022

Ans. (c) : राजस्थान में कोटा स्कूल की चित्रशैली की उत्कृष्टता ''महराव उम्मेद सिंह'' की अवधि के दौरान हुई थी। इस कोटा चित्रशैली में मुख्य विषय पौराणिक कहानियां, दरबार के दृश्य, कोटा की रानी द्वारा शिकार के दृश्य और युद्ध के दृश्य प्रसिद्ध है। नूर मुहम्मद इस शैली के प्रमुख चित्रकार थे। कोटा चित्रकला शैली बूँदी शैली और मुगल शैली से प्रभावित थी। अतः कोटा चित्रकला शैली प्रकृति और शिकार के दृश्यों के चित्रण के लिए प्रसिद्ध है।

166. कोटा चित्रकारी शैली की विषयवस्तु मुख्यतः हैं-

(a) हाथियों के लड़ाइयों के दृश्य
(b) शिकार के दृश्य
(c) दरबारी दृश्य
(d) उत्सव दृश्य

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Ans. (b) – कोटा चित्रकारी शैली की विषयवस्तु मुख्यतः शिकार के दृश्य हैं। इस शैली का स्वतंत्र विकास महाराजा रामसिंह के समय में हुआ जबकि इस शैली के सर्वाधिक चित्र महाराजा उम्मेद सिंह के समय चित्रित किये गये। शिकार दृश्यों का चित्रण इस शैली की मुख्य विशेषता है। यह राज्य की एकमात्र चित्रकला शैली है जिसमें नारियों को शिकार करते हुए दर्शाया गया है। कोटा चित्रकारी शैली के प्रमुख चित्रकार डालू, नूर मुहम्मद, गोविन्दराम, रघुनाथदास, लच्छीराम आदि थे। राजा उम्मेदसिंह के शासन काल में शिकार के दृश्य कोटा चित्र शैली की विशेषता बन गयी थी।

167. कोटा के किस शासक के काल से शिकार के दृश्य कोटा चित्रकला शैली की विशेषता बन गई?

(a) राव माधोसिंह (b) राजा उम्मेदसिंह
(c) राजा रामसिंह (d) महाराव भीमसिंह

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।